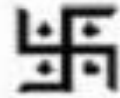


प्रार्थना

सर्व मंगल मांगलेय शिवे सर्वार्थ साधिके ।
शरण्ये त्र्यम्बके गौरी, नारायणी नमोस्तुते ॥
शरणगत दिनार्थ परित्राण परायणे ।
सर्व स्याति हरे देवी नारायणी नमोस्तुते ॥



चंद्रतपे सूरज तपे उडगन तपे आकाश
इन सवसे बढकर तपे सतियो का सुप्रकाश
जै जै श्री राणी सती सत्य पुंज आधार
चरण कमल धरु ध्यान में प्रणवहुं बारंवार ॥
दुःख आपत विपदा हरण जग जीवन आधार
बिगड़ी बात सुधारिये सब अपराध बिसार ।



(माता श्री राणी सती की जय)

!! श्री राणी सती दादीजी प्रार्थना !!

सर्व मंगल मांगलेय शिवे सरवार्थ साधिके।
शरण्ये त्रयम्बके गौरी, नारायणी नमोस्तुते॥

शरणागत दिनार्थ परित्राण परायण।
सर्व स्याति हरे देवी नारायणी नमोस्तुते॥

५५ जय दादी की ५५

चन्द्र तपे सूरज तपे उडगन तपे आकाश।
इन सबसे बढ़कर तपे सशान का सुप्रकाश॥
जय जय श्रीरानीसती सत्यपुञ्ज आधार।
चरण कमल धरी ध्यान में, प्रनवहु बारम्बार॥
दुःख आपत विपदा हरण जग दीवान आधार।
बिगड़ी नात सुधारिये सब अपराध बिसार॥

५५ जय दादी की ५५